



"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यासाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे
श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित
विवेकानंद कॉलेज, (स्वायत्त) कोल्हापूर,
समाजशास्त्र विभाग
शैक्षणिक वर्ष 2022 - 23



दि. 10/10/2022

नोटीस

समाजशास्त्र विभागातील बी. ए. भाग 1 च्या सर्व विद्यार्थ्यांना सूचित करण्यात येते कि, शैक्षणिक वर्ष 2022 - 23 च्या पहिल्या सत्राच्या अंतर्गत मूल्यमापनासाठी आवश्यक असणारे होम असाइनमेंट दिनांक 30/10/2022 पर्यंत समाजशास्त्र विभागात जमा करावेत.



एच. ए. चामे

HEAD
DEPARTMENT OF SOCIOLOGY
VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR
(AUTONOMOUS)





Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

112

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabal Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I

Session: DECEMBER-2022

| Sr.No. | PRN No | Seat No | Student Name | Marks |
|---|------------|---------|-------------------------------|-------|
| Subject: SOCIOLOGY - I (DSC-1021A) - CIE | | | | |
| 1 | 2022014006 | 336406 | BADAVE VARAD PRAVIN | 15 ✓ |
| 2 | 2022014007 | 336407 | BAJAGE NISHA AMAR | 13 ✓ |
| 3 | 2022014009 | 336409 | BEDADE AISHA JAMIR | 13 ✓ |
| 4 | 2022014010 | 336410 | BEDKALE SAMIKSHA SUDARSHAN | 15 ✓ |
| 5 | 2022014014 | 336414 | BHIVDARNE SHWETA SATISH | 14 ✓ |
| 6 | 2022014016 | 336416 | BHOSALE ADITYA BALASO | AB ✓ |
| 7 | 2022014018 | 336418 | BHOSALE RUTUJA RAJENDRA | 15 ✓ |
| 8 | 2022014020 | 336420 | BORE SHRAVANI RAMCHANDRA | 13 ✓ |
| 9 | 2022014026 | 336426 | CHOUGALE PRAJYOT TANAJI | AB ✓ |
| 10 | 2022014029 | 336429 | CHOUGALE SHIVLILA PANDURANG | 15 ✓ |
| 11 | 2022014031 | 336431 | CHOUGULE SAKSHI DADASO | 15 ✓ |
| 12 | 2022014038 | 336438 | DANGE MADINA MIRASAB | 14 ✓ |
| 13 | 2022014039 | 336439 | DAPTARDAR AMARNATH KRUSHNAT | 15 ✓ |
| 14 | 2022014040 | 336440 | DESAI RUHANA SARDAR | 15 ✓ |
| 15 | 2022014044 | 336444 | DHANGAR PRITI SUMIL | 13 ✓ |
| 16 | 2022014047 | 336447 | DIGAMBARE SAKSHI RAVINDRA | 15 ✓ |
| 17 | 2022014048 | 336448 | DINDE MANSI VILAS | 13 ✓ |
| 18 | 2022014055 | 336455 | GAIKWAD SATYAJIT TANAJI | 12 ✓ |
| 19 | 2022014058 | 336458 | GANJAWATE SHREYA MARUTI | 15 ✓ |
| 20 | 2022014062 | 336462 | GHATAGE SAKSHI SUKHDEV | 15 ✓ |
| 21 | 2022014064 | 336464 | GHODAKE RITESH DHANAJI | AB ✓ |
| 22 | 2022014065 | 336465 | GHORPADE DIVYA SHAMRAV | 15 ✓ |
| 23 | 2022014070 | 336470 | GURAV SAKSHI PARASU | 15 ✓ |
| 24 | 2022014079 | 336479 | JADHAV ONKAR RAJENDRA | 14 ✓ |
| 25 | 2022014081 | 336480 | JADHAV SAKSHI PANDIT | 13 ✓ |
| 26 | 2022014082 | 336482 | JADHAV SUAYSH SANJAY | 12 ✓ |
| 27 | 2022014083 | 336483 | JADHAV VAISHNAVI DATTATRAY | 13 ✓ |
| 28 | 2022014084 | 336484 | JAMADAR BEDADE SHAHABAJ JAMIR | 15 ✓ |
| 29 | 2022014087 | 336487 | KADAM OMKAR ANIL | AB ✓ |
| 30 | 2022014088 | 336488 | KADAM VICKY VIJAY | AB ✓ |
| 31 | 2022014089 | 336489 | KAKATKAR MANJIT BHARAT | AB ✓ |
| 32 | 2022014090 | 336490 | KALAKE ARYAN SAMBAJI | 13 ✓ |
| 33 | 2022014092 | 336492 | KALE GAYATRI DHAIRYASHEEL | AB ✓ |
| 34 | 2022014094 | 336494 | KALUGADE SHWETA SNAJAY | 14 ✓ |
| 35 | 2022014095 | 336495 | KAMBALE ABHISHEK BHUJINGA | 13 ✓ |
| 36 | 2022014101 | 336501 | KAMBLE KOMAL SANJAY | 13 ✓ |
| 37 | 2022014103 | 336503 | KAMBLE NISHA JAGANNATH | 14 ✓ |
| 38 | 2022014104 | 336504 | KAMBLE POOJA DADASO | 14 ✓ |

Internal Examiner

Print Date : 17/01/2023 10:34:14 AM



Mobile Number

**VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)**

2130, E Ward, Tarahal Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I

Session: DECEMBER-2022

| Sr.No. | PRN No | Seat No | Student Name | Marks |
|---|------------|---------|-----------------------------|-------|
| Subject: SOCIOLOGY - I (DSC-1021A) - CIE | | | | |
| 39 | 2022014107 | 336507 | KAMBLE PRUTHVIRAJ SACHIN | 15 ✓ |
| 40 | 2022014109 | 336509 | KAMBLE RUTIKA KUMAR | 14 ✓ |
| 41 | 2022014112 | 336512 | KAMBLE SHUBHAM MANOHAR | AB ✓ |
| 42 | 2022014114 | 336514 | KAMBLE SIDDHESH DHANAJI | AB ✓ |
| 43 | 2022014276 | 336516 | KAMBLE VAISHNAVI RAMCHANDRA | 14 ✓ |
| 44 | 2022014293 | 336517 | KAMBLE VINAYAK SUNIL | 13 ✓ |
| 45 | 2022014117 | 336518 | KANASE ASAVARI MAHADEV | 15 ✓ |
| 46 | 2022014123 | 336523 | KEMBLE HARSHDA RANJEET | 14 ✓ |
| 47 | 2022014126 | 336526 | KHANDEKAR BHAGYASHRI RANJIT | 13 ✓ |
| 48 | 2022014127 | 336527 | KHANDEKAR SANIKA RAMESH | 13 ✓ |
| 49 | 2022014128 | 336528 | KHANDEKAR SANIKA VISHWAS | 14 ✓ |
| 50 | 2022014129 | 336529 | KHANDU SUJAL BHIWARKAR | 15 ✓ |
| 51 | 2022014130 | 336530 | KHARADE SAHIL DAYANAND | 14 ✓ |
| 52 | 2022014131 | 336531 | KHOT DHANASHREE DINKAR | 15 ✓ |
| 53 | 2022014132 | 336532 | KHUTALE TANUJA ASHOK | 15 ✓ |
| 54 | 2022014133 | 336533 | KOKARE ROHAN NAMDEV | AB ✓ |
| 55 | 2022014135 | 336535 | KOLI PRAJWAL PRAKASH | AB ✓ |
| 56 | 2022014137 | 336537 | KONURI SRUSHTI TATYASAHEB | 15 ✓ |
| 57 | 2022014139 | 336539 | KULKARNI NIDHI NITIN | 15 ✓ |
| 58 | 2022014282 | 336540 | KUMBHAR SOURABH RAJU | 15 ✓ |
| 59 | 2022014142 | 336542 | LADE ANIKET SUBHASH | 11 ✓ |
| 60 | 2022014146 | 336546 | LAKHE SUREKHA ASHOK | 15 ✓ |
| 61 | 2022014149 | 336548 | LOKHANDE SWITI PRASHANT | 10 ✓ |
| 62 | 2022014150 | 336550 | LONDHE AKASH BABU | 13 ✓ |
| 63 | 2022014151 | 336551 | MAHAJAN PRANAV VISHWAS | AB ✓ |
| 64 | 2022014152 | 336552 | MALAVE MONIKA VISHWAS | 13 ✓ |
| 65 | 2022014155 | 336555 | MALI SHIVLING SAMBHAJI | 13 ✓ |
| 66 | 2022014157 | 336557 | MANE ANUJA YUVRAJ | 15 ✓ |
| 67 | 2022014158 | 336558 | MANE ROHAN ANANDA | 14 ✓ |
| 68 | 2022014271 | 336559 | MANE SANIKA BALU | 15 ✓ |
| 69 | 2022014159 | 336560 | MANER ABDULLA NAUSHAD | 14 ✓ |
| 70 | 2022014281 | 336562 | MANGURE HARDIK NANDKUMAR | 11 ✓ |
| 71 | 2022014164 | 336565 | MORE PRATIK PRAKASH | 14 ✓ |
| 72 | 2022014286 | 336566 | MUJAWAR AYESHA MANSOOR | 15 ✓ |
| 73 | 2022014169 | 336569 | MULLA SHAFIN SAMIR | 15 ✓ |
| 74 | 2022014171 | 336571 | NAIK SUPRIYA BALASO | 15 ✓ |
| 75 | 2022014176 | 336576 | NASVALE SANA FARUK | 15 ✓ |
| 76 | 2022014179 | 336579 | PADAVAL PRAJAKTA KUNDLIK | 14 ✓ |

Internal Examiner

Print Date : 17/01/2023 10:34:14 AM



Mobile Number Int 1



Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabal Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I

Session: DECEMBER-2022

| Sr.No. | PRN No | Seat No | Student Name | Marks |
|---|------------|---------|----------------------------|-------|
| Subject: SOCIOLOGY -I (DSC-1021A) - CIE | | | | 15 L |
| 77 | 2022014180 | 336580 | PADAVAL SANIKA RAJARAM | 15 L |
| 78 | 2022014181 | 336581 | PAKHALI RIYAJ FIROJ | 13 L |
| 79 | 2022014182 | 336582 | PALKAR KUNAL MARUTI | 15 L |
| 80 | 2022014185 | 336585 | PANDHARBALE SHIVYOGI ASHOK | 14 L |
| 81 | 2022014186 | 336586 | PANDHARPATTE RUTUJA RAVI | 13 L |
| 82 | 2022014187 | 336587 | PATEL SAIFALI FIROJ | 15 L |
| 83 | 2022014188 | 336588 | PATHAN SANIYA AAYUBKHAN | 15 L |
| 84 | 2022014189 | 336589 | PATIL ARPITA BAJIRAO | 14 L |
| 85 | 2022014190 | 336590 | PATIL ASHISH ANANDA | 14 L |
| 86 | 2022014192 | 336591 | PATIL ATHARV ABHIMANYU | 13 L |
| 87 | 2022014191 | 336592 | PATIL ATHARV SARDAR | 14 L |
| 88 | 2022014194 | 336594 | PATIL HARASHADA HANMANT | 11 L |
| 89 | 2022014196 | 336596 | PATIL PRATHMESH BAPU | 15 L |
| 90 | 2022014201 | 336601 | PATIL SHRAVANI RAJARAM | 15 L |
| 91 | 2022014202 | 336602 | PATIL SHREYA MARUTI | 11 L |
| 92 | 2022014204 | 336604 | PATIL SIDDHARTH PRAKASH | 13 L |
| 93 | 2022014205 | 336605 | PATIL SRUSHTI SACHIN | AB L |
| 94 | 2022014206 | 336606 | PATIL SWAPNALI HINDURAO | AB L |
| 95 | 2022014207 | 336607 | PATOLE ABHISHEK MANOJ | 12 L |
| 96 | 2022014209 | 336609 | PATOLE SAKSHI AMAR | 15 L |
| 97 | 2022014216 | 336616 | RAUT RUTVIK SURESH | AB L |
| 98 | 2022014220 | 336620 | SANDE RUTIKA RAJENDRA | 15 L |
| 99 | 2022014224 | 336624 | SARJEKHAN SAHIL PAPALAL | 15 L |
| 100 | 2022014227 | 336627 | SATHE SAKSHI DILIP | 14 L |
| 101 | 2022014228 | 336628 | SATPUTE PRANAV UMAJI | 13 L |
| 102 | 2022014230 | 336630 | SHAIKH AYMAN JAMIR | 13 L |
| 103 | 2022014234 | 336634 | SHINDE KARISHMA VILAS | 14 L |
| 104 | 2022014238 | 336638 | SONAVANE RUPALI HANUMANT | 15 L |
| 105 | 2022014239 | 336639 | SONULE AKANKSHA GULAB | 13 L |
| 106 | 2022014241 | 336641 | PADAVAL SANIYA LAXMAN | 15 L |
| 107 | 2022014243 | 336643 | SUTAR DHAIRYASHIL SUNIL | 12 L |
| 108 | 2022014248 | 336648 | THAMAKE RUSHIKESH KRUSHNAT | 15 L |
| 109 | 2022014249 | 336649 | TODKAR VAISHNAVI SAMBHAJI | 13 L |
| 110 | 2022014250 | 336650 | TURATE SAHIL SURESH | 12 L |
| 111 | 2022014251 | 336651 | ULAPE AVINASH ARUN | 15 L |
| 112 | 2022014252 | 336652 | ULAPE BHUMI RANJIT | 15 L |
| 113 | 2022014254 | 336654 | ULAPE PALLAVI PANDIT | 11 L |
| 114 | 2022014255 | 336655 | VASUDEV ABHAY AMARSINH | 11 L |

Internal Examiner

Print Date : 17/01/2023 10:34:14 AM



Mobile Number

Page No : 3 Of 4

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

SUPPLIMENT

Signature
of
SupervisorName : Sanika Ramesh Khandekar.
Suppliment No. :

Subject : समाजशास्त्र

Roll No. 4127

Test / Tutorial No. :

Class : B.A-F.Y

Div. :

प्रश्न :- सामाजिक परिवर्तनाचे घटक सांगून परिवर्तनातील अडथळे स्पष्ट करा?

सामाजिक परिवर्तनाचे घटक :-

सर्वच समाजाने सातत्याने कोणत्या

ना कोणत्या कारणाने परिवर्तन घडून येत असते. पण हे परिवर्तन कोणत्या कारणामुळे घडून आले हे शोधण्याचा प्रयत्न तशांकडून सातत्याने होत असतो. समाजाने कोणत्या तरी एखाद्या कारणामुळे परिवर्तन घडून येते हे मात्र स्पष्टपणे सांगित जाई. त्यामुळे परिवर्तन ही गुंतागुंतीची प्रक्रिया आहे.

1) भौगोलिक पर्यावरण :-

भौगोलिक वातावरणाचा मानवी जीवनावर सातत्याने परिणाम हा होत असतो. तसेच भौगोलिक वातावरणाने जमीन, डोंगरदऱ्या, तापमान, नद्यानाले, वाळवंटे, हवामान, त्रपतुचक्र, ज्वालामुखी, भूकंप, पूर, जंगले, खनिजसंपत्ती या सारख्या घटकांच्या समावेश होतो. मानवी समाज भौगोलिक परिस्थितीशी आंतरक्रिया करूनच आपली संस्कृती निर्माण करतो.

1) समुद्रकिनारी वास्तव्य करणारा कोळी समाज समुद्राची पूजा करतो व मासे मारण्यात तसेच त्यात विकसित करतो.

2) नदीकिनारी सुपीक जमीन असल्याने तेथेच होती विकसित होते.



४) जैविक घटक :-

जैविक घटकात अनुवांशिकता, वंश आणि लोकसंख्येचा विचार करणे उपयुक्त होईल. अनुवांशिक गुणांचे वंशाणु संक्रमणाने निरुत्पादकपणे पुढील पिढीकडे संक्रमण होते. त्याचा परिणाम माता-पित्ताकडून मुलाकडे शारीरिक गुण संक्रमित होतात. काही शारीरिक लक्षणे अनुवांशिकतेमुळे मुलांकडे संक्रमित होतात. ज्यांची शारीरिक लक्षणे समान आहेत अशा लोकसमूहाच्या एक वंश बनतो. वंशानीय अनेकता, स्ववंशश्रेष्ठता आणि मानवी समाजाचे निरुत्पन्न करण्याची व शासन चालविण्याची कामगिरी वंशाने हमता आहे.

५) लोकसंख्येतील बदल :-

जैविक मानवी प्राण्यांचे सामाजिक मानवान् रूपांतर कवण्यात सामाजिक - सांस्कृतिक घटकांचेच योगदान महत्त्वाचे आहे. लोकसंख्येतील कोणताही व्यापक बदल हे सामाजिक परिवर्तनच असते; परंतु हे परिवर्तन समाजात परिवर्तन घडून येण्यास कारणे झूट ठरते. एखाद्या समाजातील लोकसंख्या लक्षाणिय प्रमाणाने वाढणे वा कमी होणे, लोकसंख्यावाढीच्या दराने कमी-अधिक बदल होणे घडून येणे, लोकांचे आयुमान वाढणे किंवा कमी होणे, विशिष्ट प्रदेशातील लोकसंख्येची घनता वाढणे, प्रचंड प्रमाणावर होणारे लोकांचे स्थलांतर इ.

लोकसंख्येतील वाढीमुळे आहारीकरण, गतिरत्न वस्त्या, प्रदूषण, बेकारी, गरिबी, कुपोषण इ. प्रश्न समाजा निमित्त होतात. हे प्रश्न सोडविण्यासाठी संशोधनातून नवीन ज्ञानाची प्राप्ती, संस्था व संघटनांची निर्मिती आसी.

६) सांस्कृतिक घटक :-

संस्कृतीत शैतिक आणि अधीतिक असे दोन प्रकार आहेत. समाजातील ज्ञान, विश्वास, कला, नीतित्वेस्ये कायदा, सवयी आणि मानवाने समाज सलस्य या नात्याने प्राप्त केलेल्या गोष्टी संस्कृतिन घेतात. सांस्कृतिक घटकात परिवर्तन झाले म्हणजे त्या परिणामातूनच सामाजिक बदल घडून येतो. एखाद्या समाजाने सांस्कृतिक गुणां स्वीकार केला नाही मात्र बदल घडून येणार नाही. आजही स्वतंत्र भारतात स्वातंत्र्य, सभ्यता, बंधुता, न्याय या लोकशाही मुल्यांनुसार सामाजिक जीवनात अनेक अडथळे आहेत.



सामाजिक परिवर्तनातील धडक :-

हीन अवले तरी परिवर्तनाची गती सर्वत्र सारखी नसते. या वक्र परिवर्तनाचे गतिविन्नता हे वैशिष्ट्य मांगितले जाते. दुसरे म्हणजे समाजातील विविन्न अंगांत बदलाची गती वेगवेळी असते. सामाजिक परिवर्तनाच्या प्रक्रियेत अडथळे निर्माण करणारे धडक हे पुढीलप्रमाणे आहेत.

1) परंपराप्रियता :-

माणूस हा परंपराप्रिय असतो. कारण परंपरांचा मानवी जीवनावर विशेष प्रभाव आढळतो. परंपरांचा लोक अंधपटुत्वांनी स्वीकार करतो. परंपरेचे साहित्य, कला, वेशभुषा सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक इत्यादी सर्व क्षेत्रांत प्राबल्य आढळते. परंपरेच्या विकृष्ट वर्तन करण्यास बाकी सहजपणे तयार नसते. काही परंपरा या कलावाच्या झालेल्या असतात. लक्षणीय त्या परंपरा सोडून धारणा समाज तयार नसतो.

2) सवयी :-

घका विशिष्ट प्रकारचे वर्तन पुनः पुनः करण्याची प्रवृत्ती म्हणजे सवय होय. सवयी बाळगी तोच तो वर्तन प्रकार स्वीकारून त्यात बदल करण्याची व्यक्तीची तयारी नसते. लोक सवयीचे गुलाब बनतात. परंपरेने चालत आलेल्या गोष्टी स्वीकारतात. उपाणि नवीन वर्तनास विरोध करतात. या हेतूने सवय परिवर्तनविरोधी मानली जाते. सवयीमुळे वर्तनाला दृढता येते आणि महत्वाचे म्हणजे सवयी लोकांना सुरक्षा प्रदान करतात.

3) नवीन शोधांना विरोध :-

ज्या समाजामध्ये नवीन शोधांना विरोध होतो त्या समाजात परिवर्तन घडून येत नाही. कठिण, परंपराप्रिय आणि जुन्या गोष्टींना विकडून वाहणाऱ्या समाजात नवीन शोधांना विरोध होतो. त्यामुळे नवीन शोध लावण्यास प्रेरणा मिळत नाही. नवीन शोध हे धर्माविक्रम मानले जातात. नवीन शोधांना विरोध करण्याची प्रवृत्ती असलेल्या समाजात परिवर्तनास चालना मिळत नाही. कारण ज्या शोधांमुळे समाजात परिवर्तन घडून येऊ शकते त्या शोधांना विरोध



केवा जति. त्यामुळे सामाजिक परिवर्तनामध्ये कायळा निर्मिती होती.

५) अज्ञान :-

लोक आज्ञामुळे कोणत्याही नव्या गोष्टिंच्या स्वीकार सहजासहजी करीत नाहीत. तिची उपयुक्तता, फायदे त्यांना पटकन समजत नाही. अज्ञानामुळे मानव अधिक कठिणप्रिय असतो. तंत्रव्यवस्थे तीव्र किंवा शैथिल्य हे प्राचीन शीघ्राच्या स्वीकाराबाबतचे अज्ञान प्रात्यक्षिक कळत दूर करत येते. पण स्त्रियांना पुढाच्या बरीबरीचा दर्जा देणे, लोकशाही विचारसरणीचा आविष्कार आपल्या जीवनात करणे वेगळे गोष्टि पटवून सांगणे कठीण असते.

६) व्यक्तिगत स्वार्थ :-

प्रचलित समाजव्यवस्थेत ज्या लोकांचे हितसंबंध जोपासले जातात ते लोक केवळ आपल्या व्यक्तिगत स्वार्थीकरिता नवीन परिवर्तनाचा स्वीकार करीत नाहीत. कारण परिवर्तन हाडून आल्यास त्यांच्या व्यक्तिगत स्वार्थाची पूर्ती करणे शक्य नसेल. ज्या गोष्टिमध्ये काही लोकांचे हितसंबंध जोपासले जातात त्या गोष्टिमध्ये बदल करण्यास त्यांचा विरोध असतो. अशा प्रकारे केवळ आपल्या हितसंबंधासाठी लोक परिवर्तनाला विरोध करतात.

७) नवीन गोष्टिंचे भय :-

नव्या गोष्टिंबद्दल लोकांच्या मनात संदेह, शंका, भीती असते. नव्या गोष्टिंच्या त्यांना पुर्वानुभव नसतो. त्यांची उपयुक्तता माहित नसते. नव्या गोष्टिंचे फायदे होण्यापेक्षा तोटेच अधिक होतील या भयाने ते नवीन शोध, नवीन विचारांना विरोध करतात. आणि जुन्याच विचारांना कवटाळू घेतात.

८) नवीन शोध्याचा अभाव :-

विज्ञान, तंत्रज्ञान याव्यतिरिक्त समाजजीवनाच्या सामाजिक, आर्थिक, राजकीय क्षेत्रातील नवनवीन शोध व वैचारिक सिद्धांत हे सामाजिक परिवर्तनाला चालना देणारे असता. पण एखाद्या समाजात प्रसपूर्वक संशोध कळत शोध लावता.

